आपके सवाल
विशेषज्ञ के जवाब

प्रश्न: जनवरी–फरवरी के अंक में धूम्रपान और मधुमेह बहुत पसंद आया। मेरे पिताजी मधुमेही हैं और पिछले साल ही उन्हें हार्ट अटैक हुआ। हार्ट अटैक के बाद उन्होंने धूम्रपान छोड़ दिया परन्तु तम्बाखू वाला गुटका खाना शुरू कर दिया। उनका मानना है कि खाने की तम्बाखू से हृदय पर असर नहीं पड़ता। क्या ये सही है ?

–एस.के. यदुवंशी, विदिशा

उत्तर:– तम्बाखू के हृदय पर दुश्प्रभाव निकोटिन के कारण होते हैं, और यही वो रसायन हैं जो तम्बाखू की तलब के लिये जिम्मेदार हैं फिर चाहे वो धूम्रपान से लिया जाय या चबा कर। अतः तम्बाखू चबाना भी हृदय के लिये इतना ही नुकसानदेह है जितना धुम्रपान। फरक इतना है कि धुम्रपान से फेफड़ों का कैंसर होता है और तम्बाखू चबाने से मुँह का कैंसर होता है।

प्रश्न:– मैं पिछले चार साल से टाईप–1 मधुमेही हूँ और इंसुलिन से अपना नियंत्रण अच्छा बनाये हुऐ हूँ। मेरी उम्र 24 वर्ष है। घर वाले जल्दी ही मेरी शादी करना चाहते हैं। मेरे मन में कोई चिंताऐं रहती हैं। क्या मैं सामान्य सेक्स संबंध बना पाऊँगा? क्यों कि सुना है मधुमेह में नपुंसकता आ जाती है। क्या मेरी पत्नी और होने वाले बच्चों को भी मधुमेह हो जायेगी? कृपया सही समाधान करें। मुझे शादी करने से डर सा लगने लगा है।

– ऐ.के.एस., इन्दौर

उत्तर:– यह सही है कि मधुमेह से नपुंसकता आ सकती है, परन्तु यह अक्सर पचास साल से अधिक उम्र वाले मधुमेही मरीजों को जिन्हें मधुमेह दस साल से ज्यादा है, में देखी जाती है। जिन मरीजों में न्यूरोपैथी हो गई हैं उनमें भी यह ज्यादा संभव है। आप अभी जवान हैं व आपकी मधुमेह भी नियंत्रित है, इसलिये आपको इसकी चिंता नहीं करनी चाहिये।

मधुमेह छुआछूत की बीमारी नहीं है, अतः यह आपकी पत्नी को हो जायेगी यह सोचना ही गलत है। टाईप–1 मधुमेह बहुत ज्यादा अनुवांशिक नहीं है इसलिये बच्चों में इसके होने का खतरा भी बहुत कम है।

प्रश्न:– HbA1c (ग्लाको–हीमोग्लोबिन) जैसे मंहगे टेस्ट को बार–बार कराने का क्या फायदा है? क्या इससे ईलाज में या मधुमेह के नियंत्रण में कुछ फरक पड़ता है।

– मीना लालचंदानी, बैरागड़, भोपाल

उत्तर:– मीना जी यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण टेस्ट है जिससे खून में शुगर के पिछले 3 से 4 महीनों के औसत का पता चलता है। इसका सीधा संबंध मधुमेह से होने वाले विकारों से है। मान लीजिये कि आप महीने में एक दिन खून में शुगर टेस्ट करवाती हैं और जिस दिन टेस्ट करवाना है उसके एक दिन पहले भोजन व दवाई बहुत सावधानी से लेती हैं, तो आपका महीने के एक दिन का शुगर तो ठीक आ जायेगा परन्तु, बाकी महीना भर हो सकता है कि नियंत्रण बहुत खराब रहता हो। इसीलिये यदि आपके डॉक्टर को तीन महीने के औसत शुगर का पता रहे तो वह आपको ज्यादा अच्छा उपचार दे सकता है।

यह टेस्ट थोड़ा मँहगा जरूर है परन्तु इसके आधार पर सही उपचार कर आप मधुमेह के विकारों से बच कर आप हजारों रूपये बचा सकते हैं। साल में कम से कम दो बार यह टेस्ट जरूर करायें। ●●●

विशेषज्ञ– डॉ. सुशील जिन्दल